

सारिणी स्त्री. (तत्.) 1. गंध प्रसारिणी लता 2. लाल पुनर्नवा 3. दुरालभा। **वि.** 1. पीछा करने वाली 2. जाने वाली।

सारित वि. (तत्.) 1. दूर किया हुआ 2. हटाया हुआ या हटा हुआ 3. बहाया हुआ 4. भेजा हुआ।

सारि-फलक पुं. (तत्.) चौपड़ की गोटी या पासा, विसात।

सारिवा स्त्री. (तत्.) 1. अनंतमूल 2. कृष्ण अनंत-मूल।

सारिष्ट वि. (तत्.) 1. सबसे अच्छा, श्रेष्ठ 2. अच्छी तरह बढ़ा हुआ, उन्नत 3. मृत्यु के समीप पहुँचा हुआ, मरणासन्न।

सारी¹ स्त्री. (तद्.) सारिका पक्षी, मैना 2. जूआ खेलने की गोटी या पासा 3. थूहर **वि.** अनुकरण या अनुसरण करने वाला **स्त्री.** (देश.) 1. साली 2. साड़ी।

सारीखा वि. (देश.) सरीखा, सदृश, समान, तुल्य उदा. करिए तौ करि जानिये, सारीखा सौ संग-कबीर।

सारु पुं. (तद्.) सार।

सारूप्य पुं. (तत्.) 1. एकरूपता, रूप, सादृश्य, समरूपता 2. पाँच प्रकार की मुक्तियों में से एक जिसके संबंध में यह माना जाता है कि इसमें भक्त अपने उपास्य देवता के साथ मिलकर रूप विचार से ठीक उसी के अनुरूप हो जाता है।

सारूप्यता स्त्री. (तत्.) सारूप्य।

सारूप्य निबंधना स्त्री. (तत्.) साहित्य में, अप्रस्तुत प्रशंसा नामक अलंकार का एक भेद जिसमें प्रस्तुत का कथन न करके उसी तरह के किसी अप्रस्तुत का उल्लेख होता है।

सारो पुं. (देश.) एक प्रकार का धान जो अगहन में पक जाता है।

सारोदक पुं. (तत्.) अनंतमूल या सारिवा का रस।

सारोपा स्त्री.वि. (तत्.) आरोपयुक्त।

सारोपा लक्षणा स्त्री. (तत्.) साहित्य में, लक्षण का एक प्रकार या भेद जो उस समय माना जाता है जब उपमेय में उपमान का इस प्रकार आरोप होता है कि उपमेय से उपमान का कोई विशिष्ट गुण या धर्म सूचित होने लगे, इसके गौण सारोपा तथा शुद्ध सारोपा दो भेद हैं।

सारौ/सारौं स्त्री. (देश.) सारिका (मैना पक्षी)।

सार्गल वि. (तत्.) 1. अर्गला-युक्त 2. रोकवाला, रोक सहित 3. बाधित।

सार्गिक पुं. (तत्.) वह जो सृष्टि कर सकता हो। स्रष्टा।

सार्जेंट पुं. (अं.) सेना या पुलिस का एक छोटा अधिकारी। हवालदार या जमादार। sergeant

सार्थ वि. (तत्.) 1. अर्थ से युक्त, अर्थवान 2. अभिप्राय युक्त, उद्देश्य युक्त 3. धनी, धनवान 4. उपयोगी पुं. 1. धनी व्यक्ति 2. व्यापारियों का समूह, कारवाँ 3. दल, टोली 4. समुदाय, समूह 5. तीर्थयात्रियों का दल।

सार्थक वि. (तत्.) 1. अर्थवान, अर्थवाला 2. काम का उपयोगी 3. किसी उद्देश्य/प्रयोजन को पूरा करने वाला।

सार्थकता स्त्री. (तत्.) 1. उपयोगिता 2. उद्देश्य-पूर्ति 3. सफलता।

सार्दूल पुं. (तद्.) चीता।

सार्ध वि. (तत्.) आधा सहित, किसी पूर्ण संख्या के साथ आधा और।

सार्प/सार्प्य वि. (तत्.) सर्प संबंधी, सर्प का पुं. अश्लेषा नक्षत्र।

सार्व वि. (तत्.) 1. सब का 2. सब के लिए ठीक 3. सर्व अर्थात् सबसे संबंध रखने वाला पुं. 1. गौतम बुद्ध 2. जिन देव।

सार्वकरण पुं. (तद्.) श्यामकर्ण (घोड़ा)।

सार्वकामिक वि. (तत्.) 1. सब प्रकार की कामनाओं से संबंध रखने वाला 2. जो सब तरह की कामनाएँ पूरी करता हो।